सफल राजस्थान

डाक पं. संख्या :
जयपुर सिटी/129/2018-20

मजबूत इरादे, बढ़ते कदम

सफल राजस्थान
न्यूज पेपर से जुड़ने के लिये संपर्क करें।
safalraj2012@gmail.com
web : www.safalrajasthan.com
Contact 8829966661
9251166661
9214466661

वर्ष- 3 | अंक-39 | RNI. NO : RAJHIN/2016/69327 | सोमवार, जयपुर 13 मई, 2019 | साप्ताहिक | पृष्ठ-4 | मूल्य : 7 रुपए

अपराधियों को होगी सख्त सजा, भाजपा राजनीति करने की बजाय दिखाये गंभीरता : खाचरियावास

सफल राजस्थान

जयपुर। राजस्थान प्रदेष कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं परिवहन व सैनिक कल्याण मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा कि अलवर जिले के थानागाजी में हुई गैंगरेप की घटना ने पूरे प्रदेश और देश को हिलाकर रख दिया है। अपराधियों के विरूद्ध जबरदस्त सख्त कार्यवाही की जायेगी। सारे अपराधी गिरफ्तार कर लिये गये हैं और दोषी पुलिस अधिकारियों के विरूद्ध स्वयं मुख्यमंत्री ने कार्यवाही की है, लेकिन पुलिस के अधिकारियों को यह समझ लेना चाहिये कि वो अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते, पुलिस के बड़े अधिकारियों को भी फील्ड में उतरना होगा और समाज से अपराध व बुराईयों को खत्म करने के लिये राजनीतिक स्तर से ऊपर उठकर काम करने की जरूरत है।

खाचरियावास ने प्रदेश में हुये गंभीर प्रकरण पर दु:ख व्यक्त करते हुये कहा कि जब अखबारों में दो दिन पहले सरकार चलाने वाले पूर्व मंत्रियों और नेताओं की तस्वीरें छपी तो वे जयपुर के कलेक्टर ऑफिस में गंभीरता दिखाने की बजाय अब भी हंसी-मजाक करते नजर आ रहे थे। भाजपा नेताओं को सबक लेना चाहिये कि प्रदेश में अपराधों को खत्म करने के लिये सरकार दृढ़ संकल्पित है, राज्य की कांग्रेस सरकार स्वयं सड़कों पर जनता के बीच में बैठकर काम कर रही है, ऐसे में किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जायेगा, लेकिन गंभीर मामलों को लेकर विपक्ष की जो भूमिका है उसमें भाजपा के प्रदर्शन में गंभीरता की बजाय राजनीति लाभ और हंसी-मजाक ज्यादा नजर आ रहा था। हम विपक्ष का सम्मान करते हैं परन्तु कुछ मुददों पर अपराध को खत्म करने के लिये पूरे देश और प्रदेश को राजनीति में नहीं रखकर गंभीर फैसले लेने की जरूरत है। कांग्रेस सरकार किसी भी हद तक जाकर अपराधियों के विरूद्ध व्यापक अभियान छेड़ेंगी लेकिन विपक्ष को यह समझ लेना चाहिये कि इस तरह की घटनाओं को खत्म करने के लिये उन्हें भी आगे आना पड़ेगा और राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर प्रदेश और देश के हित में गंभीरता के साथ अपराधियों के विरूद्ध किये जाने वाले सरकार के बड़े फैसलों में शामिल होकर अपराधियों को सरकार द्वारा सख्त सजा देने में सरकार के साथ खड़ा होना होगा।

मनचलों और दुष्कर्मियों को सबक सिखाने के लिए सामाजिक संगठन हरिओम जन सेवा समिति ने बालिकाओं के लिए

नि:शुल्क जूडो-कराटे प्रशिक्षण शिविर चलाने का निर्णय लिया

सफल राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में बढ़ती हुई दुष्कर्म और छेड़छाड़ की घटनाओं से बालिकाओं को बचाने के लिए हरिओम जन सेवा समिति ने नि:शुल्क जूडो कराटे शिविर लगाने का लिया निर्णय। इसी कड़ी में समिति के सदस्य लगातार कर रहे हैं सरकारी और निजी स्कूलों में जन जागरण।

हरिओम जन सेवा समिति राजस्थान के द्वारा के द्वारा 10 मई गुरुवार से 30 जून तक 1000 बालिकाओं को नि:शुल्क जुड़े कराटे सिखाए जाएंगे। इसमें बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर और दुश्मन को कैसे सबक सिखाया जाए इस विषय में 50 दिनों तक समिति के द्वारा निशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। समिति ने गत वर्ष भी लगभग 600 बालिकाओं को नि:शुल्क जुड़े कराटे का प्रशिक्षण दिया था इस बार समिति के द्वारा स्मृति वन रोड नंबर 1 विद्याधर नगर सीकर रोड, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर शुभ रामपुरा खोरा, बेनाड़ रोड और शारदा विद्या निकेतन सीकर में शिविर लगाए जा रहे है। जिसमें समिति के सदस्य प्रतिदिन शाम 6 से 7 तक बालिकाओं को प्रशिक्षित कोच पृथ्वी सोनी एवं उनकी टीम के द्वारा जूडो कराटे की निशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराएंगे। इसी कड़ी में समिति के सदस्य प्रतिदिन आसपास की स्कूलों में बालिकाओं को निशुल्क फॉर्म वितरित कर रहे हैं।

समिति के संरक्षक व संस्थापक राजेंद्र सदानंद, अध्यक्ष सूर्य प्रकाश जोशी, महासचिव पंकज गोयल और मुख्य कोच पृथ्वी सोनी ने बताया कि छेड़छाड़ की घटनाओं से आहत होकर समिति जयपुर में कई स्थानों पर जूडो कराटे शिविर लगाने जा रही है इससे लड़कियां मजबूत होकर मौके पर ही मनचलों को सबक सीखा सकेंगी। इस अवसर पर उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष एवं विद्याधर नगर कांग्रेसी प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल ने विजेताओं को पुरस्कार वितरण किये।

फोर्टी कार्यकारिणी समिति (2019-22) की प्रथम बैठक सम्पन्न

सफल राजस्थान

जयपुर। फोर्टी के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों की प्रथम मीटिंग दिनांक 10 मई को फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में विजय आहूजा के दिल्ली रोड स्थित द फुटहिल्स (राजस्थली रिजॉर्ट के पास) फार्म हाउस पर सम्पन्न हुई, मीटिंग में मुख्य सचेतक, राजस्थान सरकार, डॉ.महेश जोशी, मुख्य अतिथि के रूप में पधारे साथ ही फोर्टी पधाधिकरियो की घोषणा की गई, जिसमे कार्यकारी अध्यक्ष के पद के लिये चन्द्रप्रकाश गोयल, रमेश चंद खण्डेलवाल (तुंगावाले) व अरुण अग्रवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया, रवि नय्यर व कमल कंदोई एवं चीफ एडिशनल सेक्रेटरी के लिये गिरधारीलाल खण्डेलवाल, नरेश सिंघल व महेश काला को नियुक्त करने के साथ-साथ अन्य पदों की भी नियुक्ति की गई, मीटिंग के समापन पर नवनिर्वाचित कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश गोयल ने सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया तत्पश्चात डिनर व सदाबहार गीत-संगीत संध्या का आयोजन किया गया, मीटिंग में सदस्यों ने सपरिवार भाग लिया।

नि :शुल्क हॉबी प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ

सफल राजस्थान

जयपुर। संस्कृति सोशल क्लब की अध्यक्ष अनिता गुप्ता ने बताया कि उनके क्लब द्वारा पिछले 10 सालों से निशुल्क हॉबी प्रशिक्षण शिविर चलाया जा रहा है जिसका शुभारंभ आज समाजसेवी अरुण अग्रवाल एवं संजय बियानी ने किया। आज मदर्स डे के अवसर पर क्लब ने सभी आई हुई माताओं का सम्मान किया। इस कैंप में मेहंदी, डांस, एक्यूप्रेशर, पेंटिंग, कुकिंग, ब्यूटीशियन, फैशन डिजाइनिंग, जूट क्राफ्ट, जूडो कराटे, पेपर मेशी आदि सिखाए जाएंगे। भारतेंदु चौक, अंबाबाड़ी के द राइजिंग ट्री स्कूल में लगाया जा रहा है यह कैंप 24 तारीख तक चलेगा. रजिस्ट्रेशन चालू है। आज के गेस्ट स्नेह लता साबु, दिनेश कांवट, दीपक गुप्ता, राम गोपाल चौधरी रहे. कैंप की संयोजिका प्रियंका लाट, सरोज अग्रवाल, डिंपल अग्रवाल, मिथिलेश खंडेलवाल रही।

देश दुनिया के उज्जवल भविष्य के लिए महिला सशक्तिकरण बहुत आवश्यक

सफल राजस्थान

जयपुर। नारी शक्ति उर्वशी के द्वारा किया जाने वाला अपराजिता टैलेंट हंट के पोस्टर का विमोचन कैबिनेट परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास व कांग्रेस जिला महासचिव दिलीप इसरानी सहित राजेश सैनी और ज्योति शर्मा ने किया। संयोजक उर्वशी शर्मा ने बताया कि अपराजिता टेलेंट हंट द्वारा 26 मई को निवाई में आयोजित किया जाएगा। इसका ऑडिशन 19 मई को निवाई स्थित श्याम मंदिर में रखा जाएगा। इसमें आम महिलाएं तो भाग लेगी। साथ ही जो महिला असक्षम या विकलांग है वह भी अपनी प्रतिभा दिखा सकेगी। यह पहल निवाई के बाद टोंक, जयपुर सहित पूरे राजस्थान में नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए की जा रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं व बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। महासचिव दिलीप इसरानी ने बताया कि महिला जसशक्तिकरण प्रभावी होना समाज, देश एवं दुनिया के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत ही आवश्यक है।

बालाजी को विशेष पसंद हैं रोट और चूरमे के लड्डू

सफल राजस्थान

जयपुर। चूरू जिले की सुजानगढ़ तहसील के सालासर कस्बे में सालासर बालाजी धाम है। यहां विराजित बालाजी महाराज की मूर्ति के बारे में कहा जाता है कि श्रावण शुक्लपक्ष नवमी, संवत् 1811-शनिवार को नागपुर जिले में सोटा गांव के गिन्थाला-जाट किसान को खेत जोतते हुए मूर्ति मिली। उसी रात हनुमानजी के भक्त सालासर के मोहनदासजी महाराज ने सपने में बालाजी को को देखा और इसकी जानकारी आसोटा के ठाकुर को भेजी। तब मूर्ति को सालासर भेज दिया गया। जहां मूर्ति विराजित की गई, वहीं सालासर धाम है। ये एकमात्र बालाजी है जिनके के दाढ़ी और मूंछ हैं। इस मंदिर का निर्माण मुस्लिम कारीगरों मुख्य रूप से फतेहपुर के नूर मोहम्मद व दाऊ ने किया था।

बालाजी को नित्य सुबह 5 बजे मंगला आरती के बाद दूध का भोग लगता है। बालभोग में पेड़े और सूखे मेवे जीमाते हैं। राजभोग में घी और आटे का बनने वाला रोट के साथ चूरमे के लड्डू का भोग थाल रहता है। संध्या आरती के बाद रात 8.15 बजे महाराज को फिर ऋतु भलों का बालभोग आरोगाते हैं। शयन भोग में बूंदी के लड्डू, बूंदी आदि मिष्ठान जिमाते हैं। भोग का यह प्रसाद भक्तों में बंटता है। बालाजी गर्म दूध के साथ शयन करते हैं। मंगला और शयन के समय भोग का दूध बाबा के मुख्य पुजारियों में प्रसाद के रूप में बंटता है। प्रतिदिन भक्त चूरमा, लड्डू, पेड़े और बेसन की बर्फी की सवामणियां भी अर्पित करते हैं।

स्थापना दिवस पर जीमते हैं ब्रह्म पूड़ी

श्रावण सूदी नवमी को बालाजी विशेष रूप से ब्रह्म पूड़ी आरोगते हैं। इसका प्रसाद 2000 ज्यादा ब्राह्मण ग्रहण करते हैं। श्राद्धों में मोहनदास महाराज की बरसी तेरस को हलवा, मिक्स सब्जी, चने दाल का भोग बालाजी को अर्पित कर हजारों भक्तों को बंटता है।

(जैसा कि मंदिर के रविशंकर पुजारी ने बताया)

मतदान के बाद सेल्फी का क्रेज युवतियों में दिखा उत्साह

सफल राजस्थान

जयपुर। राजधानी में सोमवार को लोकसभा चुनावो के दौरान लोकतंत्र के महापर्व पर युवतियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कई युविटिया ने पहली बार अपना वोट डाला उनके चेहरे पर खुशी देखने लायक थी।

मतदान के बाद सेल्फी करने में का क्रेज मतदान बुथो पर नजर आया। कड़ी धूप में भी मतदाता कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते देखे जा रहे थे। लोकसभा चुनाव 2019 में पहली बार वोट दे रहे युवक और युवतियों में सेल्फी का क्रेज दिख रहा है। युवक हो या युवतियां वोट देने के बाद सेल्फी लेने से नहीं चूक रही हैं। शिल्पी अग्रवाल ने कहा की। वोट देना हम सभी का कर्तव्य है। लोकतंत्र की मजबूती के लिये वोट देना जरूरी है।

सर्वेश्वर मित्र मंडल की मासिक बैठक आयोजित

अजमेर (सफल राजस्थान)। श्री सर्वेश्वर मित्र मण्डल अजमेर की मासिक बैठक 13 मई सोमवार को सांय 5 बजे गौतम सी.सै. स्कूल हाथीभाटा, अजमेर में संस्था के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। संस्था के महासचिव शैलेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर संस्था के नियमित कार्यक्रमों के अलावा अन्य भावी कार्यक्रमों पर भी विचार विमर्ष किया जायेगा। मासिक बैठक के संयोजक नन्द किशोर अरोड़ा होगे। अग्रवाल ने संस्था के सभी सदस्यों से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

कृषि मंत्री ने भी अर्पित किए श्रद्धा सुमन

चौधरी कुम्भाराम आर्य की जयंती पर जुटे किसान

सफल राजस्थान

जयपुर। किसानों के मसीहा के रूप में प्रसिद्ध रहे चौधरी कुंभाराम आर्य की 105 वीं जयंती शुक्रवार को जय जवान कॉलोनी दुर्गापुरा स्थित किसान घाट पर मनाई गई। प्रदेशभर से जुटे किसान, जन प्रतिनिधियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों से आए लोगों ने समाधि स्थल पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की। परिजनों में शालू आर्य, विशुपाल आर्य, प्रवीण आर्य, अनुष्का आर्य, रमेश पूनिया इंद्राज चौधरी भी उपस्थित रहे। इसके बाद किसान सभा में विभिन्न वक्ताओं ने कुंभाराम आर्य के जीवन पर प्रकाश डाला।

किसानों को दिलाया जमीन का हक : कटारिया

मुख्य अतिथि कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि चौधरी कुंभाराम आर्य प्रखर वक्ता और युगपुरुष थे। वे मात्र किसान नेता नहीं बल्कि एक विचारधारा थे। आज की पीढ़ी अगर उनके विचारों को आत्मसात कर लें तो किसानों के कल्याण और उत्थान में अभूतपूर्व योगदान दिया जा सकता है। कुंभाराम आर्य ने किसानों को जमीन का मालिकाना हक दिलवाने, भूमिकर हटाने एवं सहकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। वे सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

आर्य की विचारधारा ने नक्सलवाद से बचाया

चौधरी कुंभाराम आर्य स्मृति न्यास की अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सुचित्रा आर्य ने कहा कि चौधरी कुंभाराम आर्य एक महान विचारक ही नहीं वरन् विचारों की संस्था थे। अगर आज राजस्थान नक्सलवाद से अछूता है तो उसका कारण कुंभाराम आर्य के किसानों के हित में किए गए कार्य है। उन्होंने राजस्थान में निःशुल्क किसानों जमीन का मालिक बनाया। इस कारण राजस्थान के लोग कृषि क्षेत्र से जुड़े जो लोगों के जीवनयापन का सहारा बना। उन्होंने किसानों ही नहीं बल्कि हरवर्ग में अद्वितीय छाप छोड़ी थी। तत्कालीन समय में आर्य देश की राजनीति में मर्यादा का पैमाना थे। उनके द्वारा भूमि सुधार के क्षेत्र में जो कानून बनाए गए थे वे राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में किसानों के लिए उठाए गए सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक थे।

ये भी रहे उपस्थित

जयंती समारोह में राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रताप चौधरी, राजस्थान किसान परिषद अध्यक्ष हरिनारायण गठाला, सुभाष चंद सोमरा, रामचंद्र सुंडा, प्यारे लाल भूकर, पीसीसी सदस्य सुरेंद्र लांबा, विक्रम सिंह राठौड़, नोहर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष केशुराम पूनिया, यूथ कांग्रेस चूरू जिला अध्यक्ष परमेंद्र सिहाग, कृषि वैज्ञानिक राजवीर चौधरी, विजय पूनिया, सीताराम तिवाड़ी, लालचंद खीचड़, ओम कस्वां, कानाराम डेलू, राजेश बिजारणिया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर हवन और पौधरोपण भी हुआ।

सम्पादकीय ... विमला देवी

बेलगाम अपराध

महिलाओं की सुरक्षा के मसले पर जताई जाने वाली फिक्र से लेकर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' तक के नारे के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराध की जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, वे या तो बेहद निराशा पैदा करती हैं या फिर क्षोभ। राजस्थान में अलवर के

थानागाजी इलाके में एक महिला से सामूहिक बलात्कार की जैसी घटना सामने आई है, उसने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर किया है कि आखिर हमारे समाज में ऐसी विकृति की क्या वजहें हैं। हमारी सरकारें ऐसे अपराधों को रोकने के प्रति इस कदर विफल क्यों हैं! इस घटना पर इसलिए भी ज्यादा शर्म और क्षोभ पैदा होना चाहिए कि एक ओर जहां अपराधियों ने पति-पत्नी को रोका, पति को बांध कर यातनाएं दीं, पत्नी का सामूहिक बलात्कार किया, वीडियो बनाया, वायरल किया, वहीं पुलिस की भूमिका बेहद अफसोसनाक रही। छब्बीस अप्रैल को हुई घटना और इस पर चुप रहने की धमकी के बाद सदमे में जा चुके पीड़ित जब पुलिस के पास शिकायत लेकर पहुंचे तो चुनाव का तर्क देकर उस पर तुरंत कार्रवाई करना जरूरी नहीं समझा गया। रास्ते में घेर कर सामूहिक बलात्कार की घटना को अंजाम देना अपराधियों की प्रवृत्ति हो सकती है, लेकिन पुलिस क्या इसी तरह की प्रतिक्रिया देने के लिए नियुक्त की गई है। किसी तरह जब इस घटना ने तूल पकड़ा तब जाकर सरकार ने नाम के लिए इसके जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। लेकिन क्या यह सच नहीं है कि पीड़ित के कमजोर तबके से होने की वजह से पुलिस को ऐसी टालमटोल करने की हिम्मत हुई? इस जघन्य वारदात से जुड़े पहलू सबको चिंता में डालने वाले हैं। सवाल है कि बीस से पच्चीस साल के युवकों के भीतर रास्ते से गुजर रहे पति-पत्नी को रोकने, उनके साथ अधिकतम बर्बरता करने और उसका वीडियो बना कर वायरल कर देने की हिम्मत कहां से आई? अगर सरकार और प्रशासन ने अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी से निभाई होती और कानून-व्यवस्था चौकस होती तो क्या अपराधी इतनी आसानी से सामूहिक बलात्कार की घटना को अंजाम दे पाते? आरोपों के मुताबिक यहां तो हालत यह रही कि पुलिस को तब तक शिकायत पर गौर करना जरूरी नहीं लगा, जब तक मामले पर आम लोगों के बीच रोष नहीं फैलने लगा। सवाल है कि राजस्थान की मौजूदा सरकार के पास इसका क्या जवाब है, जिसने जनता को पुरानी सरकार की कमियों का हवाला देकर सब कुछ दुरुस्त करने का भरोसा दिया था? क्या समाज में महिलाओं के खिलाफ दिनोंदिन बढ़ते अपराधों और पुलिस के ऐसे ही रवैये के साथ वह लोगों को नई संस्कृति देने का सपना देख रही है? इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक ओर हमारे देश में विकास के दावे के साथ सब कुछ अच्छा होने का भरोसा दिलाया जा रहा है और दूसरी ओर समाज में अपराध बढ़ रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा के मसले पर जताई जाने वाली फिक्र से लेकर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' तक के नारे के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराध की जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, वे या तो बेहद निराशा पैदा करती हैं या फिर क्षोभ। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और खासतौर पर बलात्कार के मसले पर अक्सर हमारा समाज उद्वेलित होता है, सड़क पर उतरता है, सरकारें कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देती हैं। मगर इस मसले पर समाज से लेकर सरकार तक लगातार नाकाम हैं तो इसकी क्या वजहें हैं? विकास की प्रचलित परिभाषा में समाज कहां और क्यों छूट गया है कि जिन युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक कामों में लगनी चाहिए थी, उसमें से बहुत सारे आधुनिक तकनीकी से लैस मोबाइल के सहारे अपराध की दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं!

रास्ते में घेर कर सामूहिक बलात्कार की घटना को अंजाम देना अपराधियों की प्रवृत्ति हो सकती है, लेकिन पुलिस क्या इसी तरह की प्रतिक्रिया देने के लिए नियुक्त की गई है। किसी तरह जब इस घटना ने तूल पकड़ा तब जाकर सरकार ने नाम के लिए इसके जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। लेकिन क्या यह सच नहीं है कि पीड़ित के कमजोर तबके से होने की वजह से पुलिस को ऐसी टालमटोल करने की हिम्मत हुई?

पाठकों के पत्र

यदि आप आसपास के परिवेश से प्रभावित होकर कुछ लिखने का साहस रखते हैं, **इस पते पर लिखें।**

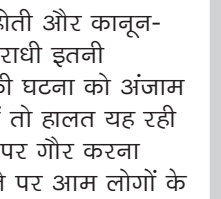

सफल राजस्थान

जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर -302039

ईमेल-

E-Mail : safalraj2012@gmail.com

मो. : 8829966661

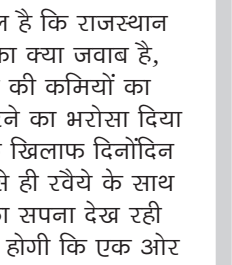

अमीर और ज्यादा धनपति व गरीब और ज्यादा गरीब होते जा रहे है

राष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए इसकी राजनीति को समझना बहुत आवश्यक है। आज भूमंडलीकरण का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। भूमंडलीकृत समाज में अमीर और ज्यादा धनपति व गरीब और ज्यादा गरीब होते जा रहे हैं। मौजूदा दौर भूमंडलीकरण का न होकर नव उपनिवेशीकरण का है। यह सोलहवीं सदी के उपनिवेशवाद का ही विस्तार है जिसने तीसरी दुनिया के देशों को बाजार के माध्यम से पुनः गुलाम बनाना प्रारंभ कर दिया है। एक समय था जब मनुष्य की आवश्यकतानुसार वस्तुओं का निर्माण किया जाता था। लेकिन नव उपनिवेशवादी युग में बाजार के अनुसार मनुष्य को ढाला जा रहा है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बाजार का दखल बढ़ता जा रहा है।

16वीं सदी की औद्योगिक क्रांति और ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत आगमन के साथ ही भारत में उपनिवेशवाद का उदय हुआ और ब्रिटेन का आधिपत्य पूरी दुनिया ने स्वीकार किया। समय के साथ जब 'उपनिवेशवाद' कमजोर पड़ा तो इसका स्थान 'नव उपनिवेशवाद' ने ग्रहण कर लिया, जिसे विकसित राष्ट्रों ने 'भूमंडलीकरण' के रूप में प्रचारित किया। विश्व की शक्ति ब्रिटेन से स्थानांतरित होकर अमेरिका के हाथों में चली गई और अमेरिका ने एशियाई व अफ्रीकी देशों पर दबाव बनाए रखने के लिए नीतियां तैयार कीं। सन 1945 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) विश्व बैंक नामक संस्थाओं का गठन इन्हीं नीतियों का विस्तार मात्र था। इन संगठनों के दबाव में भारत ने 1991 में उदारीकरण की नीति अपनाई और साथ ही संचार माध्यमों का तेजी से विकास हुआ। संचार क्रांति ने भूमंडलीकरण की प्रक्रिया में तीव्रता लाते हुए तीसरी दुनिया के देशों को 'वैश्विक गांव' का सपना दिखाया, जिसका असली रूप आज हम सभी के सामने है। वस्तुतः भूमंडलीकरण यूरोपीय देशों द्वारा तीसरी दुनिया के देशों में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विकसित नीति है। राष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए इसकी राजनीति को समझना बहुत आवश्यक है। आज भूमंडलीकरण का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। भूमंडलीकृत समाज में अमीर और ज्यादा धनपति व गरीब और ज्यादा गरीब होते जा रहे हैं। मौजूदा दौर भूमंडलीकरण का न होकर नव उपनिवेशीकरण का है। यह सोलहवीं सदी के उपनिवेशवाद का ही विस्तार है जिसने तीसरी दुनिया के देशों को बाजार के माध्यम से पुनः गुलाम बनाना प्रारंभ कर दिया है। एक समय था जब मनुष्य की आवश्यकतानुसार वस्तुओं का निर्माण किया जाता था। लेकिन नव उपनिवेशवादी युग में बाजार के अनुसार मनुष्य को ढाला जा रहा है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बाजार का दखल बढ़ता जा रहा है। अंग्रेजी शासनकाल में नील की खेती के लिए भारतीय किसानों पर दबाव बनाया गया और उन्हें अन्न का उत्पादन करने से रोकने का मुख्य कारण व्यापार में मुनाफा कमाना था। इसके परिणामस्वरूप किसानों के भूखे मरने की नौबत आ गई थी। विकासशील व्यवस्थाओं के शोषण के लिए 'नव उपनिवेशवाद' विकसित व्यवस्थाओं द्वारा प्रस्तुत वह राजनीति है जिसमें उपनिवेशवादी राष्ट्र विकासशील देशों पर अपना सीधा राजनीतिक प्रभुत्व नहीं स्थापित करते, लेकिन उन पर विकास के नाम पर वित्तीय, आर्थिक, प्रौद्योगिक सहायता प्रदान करने की आड़ में दबाव बनाए रखते हुए उनका शोषण करते रहते हैं। इनके पास अपने औद्योगिक विकास के लिए पर्याप्त पूंजी और प्रौद्योगिकी है जिसके सहारे वे अपने इस कुचक्र में सफल हो रहे हैं। नव उपनिवेशवाद साम्राज्यवाद का प्रतिनिधित्व कर रहा है। 'नव उपनिवेशवाद' शब्द विकासशील देशों में विकसित देशों की भागीदारी के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है। द्वितीय महायुद्ध के बाद नव उपनिवेशवाद की प्रक्रिया गतिमान हुई और अस्सी के दशक तक आते-आते यह तीव्र होती गई। उपनिवेशवाद और नव उपनिवेशवाद दोनों के केंद्र में बाजार है। अंतर सिर्फ यह है कि उपनिवेशवाद में शक्तिशाली राष्ट्र प्रत्यक्ष रूप से देश की सीमा के भीतर जाकर राजनीतिक हस्तक्षेप करते हुए व्यापार करते थे, जबकि नव उपनिवेशवाद के अंतर्गत नवीन संचार माध्यमों जैसे- रेडियो, समाचार पत्र, टेलीविजन, मोबाइल, कंप्यूटर आदि के माध्यम से बिना किसी देश की सीमा में प्रवेश किए ही उत्पादित सामग्री का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। ऑनलाइन कारोबार करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां अत्याधुनिक बाजार के नव विकसित रूप हैं। भूमंडलीकरण एक ऐसे व्यापक संजाल तंत्र का नाम है जिसमें सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि सभी तत्त्व एक विराट उत्स के साथ विद्यमान हैं। इसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक एकीकरण है। भूमंडलीकरण के लिए एक ऐसी प्रधान आर्थिक शक्ति की आवश्यकता पड़ती है जिसकी राष्ट्रीय मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में मान्यता मिल चुकी हो। वर्तमान परिवेश में ये सभी तत्त्व अमेरिका में परिलक्षित होते हैं। प्रारंभिक दौर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार का बहुत बड़ा भाग उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों के बीच व्यापार के रूप में होता था। इसमें कृषि उत्पादों के बदले कारखाने में बने माल का आदान-प्रदान किया जाता था। बाद में उद्योगों के बीच व्यापार होने लगा। भूमंडलीकरण के युग में अंतरराष्ट्रीय व्यापार का अधिक से अधिक भाग सीमाओं के आर-पार, लेकिन एक ही फर्म की दो शाखाओं या कंपनियों के मध्य विनिमय के रूप में हो रहा है। इसने भारत की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों पर अत्यधिक प्रभाव डाला है। अठारहवीं शताब्दी की औद्योगिक क्रांति ने विश्व के समाज, राजनीति, अर्थ, संस्कृति आदि पर गहरा प्रभाव डाला। ज्ञान-विज्ञान के नए युग में साहित्य और विचारधारा भी इससे अछूते नहीं रहे। इसी से नवीन विचारधाराओं- आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता, मार्क्सवाद, नव-मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद आदि का प्रादुर्भाव हुआ। इनमें से अधिकांश का उद्गम यूरोप ही रहा। यूरोप से होते हुए ये एशियाई और तीसरी दुनिया के देशों तक फैले और वहां के साहित्य, समाज एवं संस्कृति को प्रभावित करना शुरू कर दिया। आज नव उपनिवेशीकरण के समय में मानव जीवन में मशीनों के हस्तक्षेप से संवेदना का निरंतर ह्रास हो रहा है और मानव की जीवन शैली यंत्रवत होती जा रही है। इसका दुष्परिणाम समाज में बिखराव के रूप में सामने अया है। हमारे परंपरागत रीति-रिवाज, तीज-त्योहार, खान-पान, वेश-भूषा आदि सभी को नव उपनिवेशवादी शक्तियां पिछड़ा हुआ और त्याज्य बता कर बाजार के माध्यम से अपनी संस्कृति हम पर थोपना चाहती हैं। आज हमारी संस्कृति से 'समाज' नाम का पद समाप्त होता जा रहा है और मनुष्य एकाकी जीवन यापन में विश्वास करने लगा है। विकासशील और तीसरी दुनिया के देशों में सरकारें, कंपनियां, संस्थाएं, माफिया आदि ही बचे हैं और निर्धन व आम आदमी हाशिये पर चला गया है। बाजार मानव सभ्यता के विकास से ही मनुष्य के केंद्र में रहा है जहां जन समुदाय एकत्रित होकर अपनी जरूरतों को पूरा करते हुए एक-दूसरे की हाल-खबर लेते थे।

// लापरवाही के अस्पताल //

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति इस असंतोष का फायदा निजी अस्पताल उठाते हैं। मगर वहां दूसरे तरह की मनमानियां हैं। वे इलाज के नाम पर अतार्किक ढंग से पैसे वसूलते हैं, पर मूलभूत ढांचे के मामले में सामान्य नियम-कायदों तक की परवाह नहीं करते। मदुरै के एक सरकारी अस्पताल में बिजली चले जाने की वजह से गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती पांच मरीजों का दम तोड़ देना और महाराष्ट्र के ठाणे में पंद्रह अस्पतालों में अग्निशमन नियमों के पालन में घोर लापरवाही, इसके ताजा उदाहरण हैं। हालांकि मदुरै के सरकारी अस्पताल के प्रबंधन का कहना है कि पांच मरीजों की मौत स्वाभाविक रूप से हुई, यह संयोग मात्र है कि उसी समय बिजली चली गई। पर मृतकों के परिजन यह दलील मानने को तैयार नहीं हैं। ठाणे के जिन अस्पतालों में तालाबंदी करनी पड़ी उन्हें पहले सख्त हिदायत दी जा चुकी थी, फिर भी उन्होंने सुधार करना जरूरी नहीं समझा।

मदुरै के एक सरकारी अस्पताल में बिजली चले जाने की वजह से गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती पांच मरीजों का दम तोड़ देना और महाराष्ट्र के ठाणे में पंद्रह अस्पतालों में अग्निशमन नियमों के पालन में घोर लापरवाही, इसके ताजा उदाहरण हैं। सार्वजनिक अस्पतालों की बदइंतजामी जगजाहिर है। उनमें बरती जाने वाली लापरवाहियों की वजह से अक्सर लोगों के अपनी जान से हाथ धो बैठने की खबरें आती रहती हैं। इसकी वजह से बहुत सारे लोग, जो थोड़े-से सक्षम हैं, इन अस्पतालों में इलाज के लिए नहीं जाते। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति इस असंतोष का फायदा निजी अस्पताल उठाते हैं। मगर वहां दूसरे तरह की मनमानियां हैं। वे इलाज के नाम पर अतार्किक ढंग से पैसे वसूलते हैं, पर मूलभूत ढांचे के मामले में सामान्य नियम-कायदों तक की परवाह नहीं करते। मदुरै के एक सरकारी अस्पताल में बिजली चले जाने की वजह से गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती पांच मरीजों का दम तोड़ देना और महाराष्ट्र के ठाणे में पंद्रह अस्पतालों में अग्निशमन नियमों के पालन में घोर लापरवाही, इसके ताजा उदाहरण हैं। हालांकि मदुरै के सरकारी अस्पताल के प्रबंधन का कहना है कि पांच मरीजों की मौत स्वाभाविक रूप से हुई, यह संयोग मात्र है कि उसी समय बिजली चली गई। पर मृतकों के परिजन यह दलील मानने को तैयार नहीं हैं। ठाणे के जिन अस्पतालों में तालाबंदी करनी पड़ी उन्हें पहले सख्त हिदायत दी जा चुकी थी, फिर भी उन्होंने सुधार करना जरूरी नहीं समझा। सरकारी अस्पतालों में उपकरणों के रखरखाव में संजीदगी और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता न बरतने की शिकायतें आम हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जब आक्सीजन की कमी के कारण कई मरीजों ने दम तोड़ दिया। कहीं नवजात शिशुओं को रखे जाने वाले बिजली चालित पालने का ठीक से रखरखाव और संचालन न हो पाने के चलते बहुत सारे बच्चों की जान चली गई। कहीं संयंत्रों का संचालन ठीक से न हो पाने के कारण उनमें आग लग गई और मरीज अकारण अपनी जान से हाथ धो बैठे। इन घटनाओं के मद्देनजर मदुरै के अस्पताल में मरीजों की मौत पर सहज ही यकीन हो उठता है। गहन चिकित्सा कक्ष में लगे उपकरण बिजली से संचालित होते हैं। बिजली जाने पर उनका संचालन बंद होने से मरीज की जान पर बन आती है। इसलिए हमेशा गहन चिकित्सा कक्ष में बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है। मदुरै के अस्पताल में इस मामले में क्यों सावधानी नहीं बरती गई, समझ से परे है। ठाणे के अस्पतालों में तालाबंदी अग्निशमन विभाग की सराहनीय मुस्तैदी कही जा सकती है। अस्पताल जैसी संवेदनशील जगहों पर नियम-कायदों के पालन में जानबूझ कर की गई ऐसी लापरवाही किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। पूरे देश में यह प्रवृत्ति-सी बन गई है कि कमाई के लोभ में लोग निजी अस्पताल का लाइसेंस तो ले लेते हैं, पर खर्च बचाने की मंशा से उनके भवन निर्माण और उनमें इस्तेमाल होने वाली मशीनों आदि के मामले में तय मानकों का पालन नहीं करते। खासकर अग्निशमन संबंधी मानकों के पालन में लापरवाही एक आम प्रवृत्ति बन चुकी है। इसकी वजह यह भी है कि अग्निशमन विभाग के लोग किसी रसूखदार के प्रभाव में आकर या फिर कुछ ले-देकर अपनी आंखें मूंदे रखने को आसानी से तैयार हो जाते हैं। मगर किन्हीं आपात स्थितियों में इसका खमियाजा आखिरकार सामान्य लोगों को भुगतना पड़ता है। इस तरह ठाणे के अग्निशमन विभाग की कार्रवाई दूसरे शहरों के कर्मचारियों के लिए एक मिसाल होनी चाहिए कि वे अस्पतालों, होटलों, बाजारों आदि जगहों पर लोगों की जान के साथ खेलने वाली लापरवाही को किसी भी रूप में बर्दाश्त न करें।

चुनौतियों के बरक्स

नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार सत्ता में पांच साल रहने के उपरांत फिर से सत्ता में आने के लिए चुनाव मैदान में है। अधिकांश चुनाव विश्लेषकों ने भविष्यवाणी की है कि त्रिशंकु संसद उभरेगी जिसमें बेशक, भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होगी। राजग सरकार का आकलन बीते पांच साल के दौरान रहे उसके प्रदर्शन के आधार पर होगा। इस दौरान मोदी सरकार को जहां सराहना मिलीं तो वहीं उसकी आलोचनाएं भी हुई। इस चुनाव में मोदी को सत्ता से हटाने के लिए परस्पर विरोधी विचार रखने वाले विपक्षी दल एक साथ आ गए हैं। विभिन्न माध्यमों द्वारा कराए गए अधिकांश सव्रेक्षणों में भाजपा को सर्वाधिक लोकप्रिय तो माना गया है, लेकिन यह भी बताया जा रहा है कि वह बहुमत के जादुई आंकड़े से पीछे रह सकती है। अपने सहयोगी दलों की मदद से सरकार बनाने की नौबत उसके समक्ष आ सकती है। भारत की छवि समूचे विश्व में चमकाना, ढांचागत क्षेत्रमें उल्लेखनीय प्रयास करना और राष्ट्रीय सुरक्षा को चाक-चौबंद रखना मोदी सरकार की कुछेक उपलब्धियां हैं, जिन्हें लेकर बहुत कम संशय है। 2014 में स्पष्ट बहुमत से मोदी नीत राजग सरकार सत्ता में आई थी, और कायाकृप कर देने वाले अनेक कदम उठाए। इन कदमों के क्रियान्वयन को लेकर तमाम चर्चाएं हुई। विमुद्रीकरण पर चर्चा आज भी होती है। जानने की कवायद जारी है कि यह उपाय सकारात्मक है, या नकारात्मक। अलबत्ता, वित्तीय समावेशन और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसे उपाय, जिनसे आबादी का बड़ा हिस्सा बैंकिंग सेवाओं की परिधि में आ गया, अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए रामबाण उपाय साबित हुए जिनने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में छीजन को पाटने का काम किया। इसी प्रकार ''एक देश, एक कर' के कार्यान्वयन से भले ही कुछ देर के लिए समस्याएं हुई हों लेकिन आगे चलकर यह उपाय अर्थव्यवस्था में नये सिरे से जान फूंकने वाला साबित हो सकता है।

हैलो.. हैलो..

हॉस्पिटल

गवर्मेंट सैटेलाइट हॉस्पिटल, बनीपार्क	2202449
महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट	2610616
एसएमएस हॉस्पिटल	2560291
जनाना हॉस्पिटल	2378721
ईएसआई डिस्पेंसरी, मालवीयनगर	2522724
ईएसआई डिस्पेंसरी, प्रताप नगर	2792594

पुलिस

कंट्रोल रूम, जयपुर सिटी	2575715
कंट्रोल रूम, जयपुर ग्रामीण	2575774
कंट्रोल रूम, यातायात	2565630

होटल-ट्यूरिज्म

गणगौर	0141-2371641, 2371642, 2371644, 2371646
स्वागत	0141-2200595, 2206701, 09950996242
तीज	0141-2205482, 2205473, 2203199, 09829058458
होटल खासा कोठी	0141-2375151, 4063000, 09414073182

रोडवेज

कंट्रोल रूम हैड ऑफिस	0141-2373044
सेंट्रल बस स्टैंड सिंधी कैंप	0141-2207906, 2207912, 207913, 2207914
डीलक्स बस आरक्षण	0141-2205790
ड्यूटी ऑफिसर प्लेटफार्म	0141-2207907
ड्यूटी ऑफिसर सिंधी कैंप	0141.2207903

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131
रेलवे पूछताछ	139

हैल्प लाइन

चाइल्ड हैल्प लाइन	0141-2353997-1098
बिजली हैल्प लाइन	0141-2354900-1912
ऑपरेशन गरिमा	0141-2204475
एनीमल हॉस्पिटल हैल्प लाइन	0141-2373237
हैल्प इन सफरिंग हैल्प लाइन	0141-2760012

ब्लड बैंक

संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल	0141- 2566251, 2574189
सवाई मानसिंह हॉस्पिटल	0141-256 02912
स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक	0141-2545293, 2721771

अग्निशमन केन्द्र

अग्निशमन हैल्पलाइन	101
बनीपार्क	0141-2201898
बाईस गोदाम	0141-2211258
घाट गेट	0141-2615550
विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र	0141-2332573
एम आई रोड	0141-2375925

सांस्कृतिक केन्द्र

जवाहर कला केंद्र	0141-2706560
रविन्द्र मंच	0141-2619061

ट्यूरिस्ट प्लेस

अल्बर्ट हॉल म्यूजियम	0141-2570099
आमेर फोर्ट	0141-2530293
बिरला प्लेनेटोरियम	0141-2385094,
हवा महल	0141-618862
जंतर मंतर	0141-2610494
जयगढ़ फोर्ट	0141-2274848
नाहरगढ़ फोर्ट	0141-5148044
जयपुर जू	0141-2680494
राम निवास गार्डन	0141-2617319
साइंस पार्क	0141-2304654
सिटी पैलेस	0141-2608055

एम्बुलेंस

एम्बुलेंस हैल्पलाइन	108
जेके लोन एम्बुलेंस	0141-2619827
महिला चिकित्सालय एम्बुलेंस	0141-2601333
एसएमएस एम्बुलेंस	0141-2560291
रेड क्रास एम्बुलेंस	0141-2617214

एयरलाइंस

एयर अरेबिया	0141-5115455
इंडिगो एयरलाइंस	0141-5119992
एयर इंडिया सिटी	0141-2744840, 2743500
ओमान एयरवेज	0141-4002041
एयर अरेबिया	0141-2378501, 2378204
एयर इंडिया	0141-2721333, 2721519
गो एयर	0141-6500803
जेट एयरवेज	0141-5112222
स्पाइस जेट	0141-5119882

दुर्घटना थाना

ईस्ट	2587436
वेस्ट	2577717
नॉर्थ	2568721
साउथ	2575171

बच्चों का फ्यूचर टिका हैं इन दो लोगों पर....

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का फ्यूचर ब्राइट हो तो इसकी जिमेदारी केवल टीचर्स की ही नही है। ऐसा तभी संभव हो सकता है जब पेरेंट्स और टीचर्स में आपसी तालमेल हो जिससे आपके बच्चे की पर्सनैल्टी का पूरा विकास हो सकता है।

पेरेंट्स और स्कूल

बच्चों के माता-पिता को चाहिए कि वह टीचर्स से लगातार कॉन्टेक्ट में रहें क्योकि इन स्कूलों में जाने वाले उनके बच्चे इतने छोटे होते है कि यह स्कुल ही उनहे चलना, बोलना और समझना सीखते हैं। कई बार माता पिता सोचते है कि उन्होंने अपने बच्चों को प्ले स्कूल भेज दिया है और अब उनको कुछ करने की जरुरत नहीं है। पर यह गलत बात है। प्ले स्कूल में बच्चों का पूरा ध्यान तो रखा जाता है पर माता-पिता की भी कुछ जिम्मेदारियां हैं जिससे बच्चों की ग्रोथ अच्छी होती है। इसलिए इन जिम्मेदारियों को निभाने के लिए माता-पिता और टीचर्स आपस में तालमेल होना जरुरी है।माता पिता को चाहिए कि वह शिक्षक के सामने खुद के बारे में बताएं, टीचर्स से अपने बच्चे को भी मिलवाएं, टीचर्स के समय की कद्र करें, टीचर्स से संपर्क में रहें, बच्चों के बिहेवियर के बारे में टीचर्स से बात करें, घर के माहौल के बारे में बताएं, मीटिंग में रेगुलर जाएं, ईमेल, मोबाइल के जरिए भी टच में रहें, स्कूल की वेबसाइट देखते रहें। बच्चों की ग्रोथ में भी टीचर्स की खास भूमिका रहती है क्योकि शुरु में ही टीचर्स बच्चों को घर जैसा माहौल देतो है। जहां से बच्चों की मेंटल ग्रोथ शुरू होती है। टीचर्स की भी यह जिम्मेदारियां होती है कि वह हर बच्चे पर बराबर ध्यान दें, बच्चे के व्यवहार को लेकर माता- पिता से बात करें, बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई करवाए, गलत करने पर बच्चों को प्यार से समझाएं, माता-पिता की शिकायत या सुझाव का सम्मान करें।

स्कूलों के बेनिफिट्स

आजकल लाइफ इतनी बदल गई है की लाइफस्टाइल के साथ एजुकेशन में भी काफी बदलाव आ गया है। पहले छोटे बच्चे को 2 से 4 साल के होते थे उनहें घर पर ही सीखाया- पडाया जाता था पर अब उनहें प्ले स्कूल्स में भेजा जा रहा है। पर आज कल माता-पिती दोनो ही जाब करते है इसीलिए उनके पास इतना समय नही होता कि वह बच्चों के साथ समय बिता सके। पर आज कल ज्यादातर नुक्लेअर फैमिली में रहने के कारण जो शिक्षा और संस्कार बच्चों को अपने दादा-दादी व परिवार के बाकी सदस्यों से मिलते थे वो नहीं मिल पा रहे है। इसीलिए यह भूमिका प्ले स्कूल्स ही निभा रहे है। इन स्कूल्स में बच्चों को वह शिक्षा दी जाती है जो उनके लिए जरूरी होती है।

माता-पिता बच्चों को जिंदगी के अहम सबक सिखाते हैं। लेकिन कई बार माता-पिता ही बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में रुकावट बन जाते हैं। जानिए किस तरह। हर माता-पिता अपने बच्चे से बहुत प्यार करते हैं। वे उसे तमाम तरह की उलझनों और मुश्किलों से बचाने का प्रयास करते हैं। कई बार माता-पिता बच्चों को प्रोटेक्ट करने में इतना ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं कि वे उसके सीखने की प्रक्रिया में सबसे बड़ा अवरोध बन जाते हैं। वे बच्चे को किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेने देते और उस पर हर पल निगरानी रखते हैं। इस तरह बच्चे को बेहतर बनाने के बजाय वे उसे कमजोर बनाते हैं। अभिभावकों को यह सीखने की जरूरत है कि वे बच्चे का सहारा बनें लेकिन वे बच्चों को अपने ऊपर निर्भर न बनाएं। माता-पिता को जिन चीजों से बचना चाहिए उनका जिक्र यहां है।

बच्चों को जोखिम न लेने देना

माता-पिता को लगता है कि दुनिया में हर कदम पर जोखिम हैं और वे चाहते हैं कि उनके बच्चों को इन मुश्किलात का सामना न करना पड़े। बच्चों को जोखिम से बचाने की माता-पिता की चिंता बहुत स्वाभाविक है लेकिन इस उपक्रम में वे बच्चों के विकास को रोक देते हैं। अगर बच्चे जोखिम नहीं उठाएंगे तो वे नई चीजें कैसे सीखेंगे। जिंदगी में उन्हें चोट भी लगेगी और वे धोखा भी खाएंगे लेकिन वे इन सभी चीजों से बेहतर बनेंगे। माता-पिता अगर बच्चों के लिए हर चीज उपलब्ध करवाने के चक्कर में होंगे तो बच्चे कभी जिंदगी में जोखिम लेना नहीं सीखेंगे।

बहुत जल्दी बचाव में उतरना

बच्चा जब भी किसी मुश्किल काम को कर रहा होता है तो माता-पिता तुरंत उसकी मदद करने लगते हैं। ऐसे में बच्चे को अपने कौशल को निखारने का अवसर ही नहीं मिलता। जब बच्चे अपने आप किसी भी समस्या का हल ढूंढते हैं तो वे ज्यादा सीखते हैं। उनकी मदद तब तक नहीं करना चाहिए जब तक कि वे आपसे मदद करने को न कहें।

हमारा बच्चा, सबसे अच्छा

ज्यादातर माता-पिता बच्चे को यह एहसास करवाते हैं कि वह बहुत खास है। यह कुछ हद तक तो ठीक है लेकिन बच्चे को यह बताना जरूरी है कि उसे दुनिया में अपनी जगह खुद बनानी होगी। वह सबसे खास है नहीं लेकिन कोशिश करे तो बन सकता है। उसके अंदर यह भाव न डालें कि वह जो भी कर रहा है उसमें वह सर्वश्रेष्ठ है। जब बच्चा इस आधार पर आगे बढ़ेगा तो वह नया कुछ नहीं सीखेगा।

उसकी साधारण सफलता को भी आप अगर बहुत जोश के साथ सेलीब्रेट करेंगे तो वह ऊंचे लक्ष्यों के को हासिल करने के लिए कभी प्रेरित नहीं होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसे हतोत्साहित करें लेकिन उसकी सफलता का सही आकलन करना जरूरी है। उसकी उपलब्धि को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करने से बचें।

गलतियां बच्चों को न बताना

बच्चे माता-पिता से बातें करते हैं। अपनी गलतियां बताते हैं और अपने डर को भी साझा करते हैं। लेकिन माता-पिता अपने बचपन में की गई गलतियों को बच्चों के साथ साझा नहीं करते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि इस तरह वे शर्मिंदा होंगे। माता-पिता को बच्चों से अपने बचपन के बारे में बात करना चाहिए कि किस तरह उन्होंने चीजें सीखी हैं। किस तरह उन्होंने भी अपने बचपन में गलतियां कीं और उनसे जिंदगी के महत्वपूर्ण सबक मिले। जब आप बच्चों को अपनी गलतियों के बारे में बताएंगे तो उन्हें जिंदगी को समझने का एक पैटर्न मिलेगा।

क्या माता-पिता बच्चे की राह का अवरोध हैं ?

सिखाना जो खुद न करते हों

माता-पिता बच्चों के सामने ऊंचे आदर्श खड़े करते हैं लेकिन असल जिंदगी में खुद ही उन आदर्शों का पालन नहीं करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि जो बातें वे बच्चों को सिखा रहे हों उसका पालन खुद भी करें। कुछ माता-पिता बच्चों को बेईमानी न करने की सीख देते हैं लेकिन मौका आने पर झूठ बोलकर अपना काम निकालते हैं। इस तरह के दोहरे मापदंड बच्चों का बड़ा नुकसान करते हैं। इस बारे में सावधानी बहुत जरूरी है क्योंकि बच्चे माता-पिता के व्यवहार को देखकर बहुत कुछ सीखते हैं।

प्रैक्टिकल नॉलेज बहुत जरूरी

कुछ माता-पिता बच्चों को सिर्फ परीक्षा में अच्छे अंक लाने की मशीन बनाने में भरोसा रखते हैं। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा 8 से 10 घंटे सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई करे। इस तरह बच्चा व्यावहारिक दुनिया से कट जाता है। बच्चे परीक्षा में बहुत अच्छे अंक लाते हैं लेकिन जब व्यवहार की बारी आती है तो वे समझ नहीं पाते कि कैसे व्यवहार करें। बच्चों को परीक्षा में टॉपर बनने की सीख देना ही सबकुछ नहीं है बल्कि उन्हें यह भी बताने की जरूरत है कि जिंदगी में प्रैक्टिकल नॉलेज हासिल करें।

बच्चों जैसी हरकत मत करो

अपने बच्चों को इस तरह की नसीहत देने से पहले सोचना चाहिए कि उन्हें अपना बचपन जीने की पूरी आजादी होना चाहिए। बच्चे अगर बच्चों जैसी हरकतें नहीं करेंगे तो कौन करेगा। सभी बच्चे बचपन को अपनी तरह से जीना चाहते हैं, उनसे बहुत नपे-तुले व्यवहार की उम्मीद करना उनके साथ ज्यादती करने जैसा है।

बच्चे के साथ करना हो सफर तो जरूर रखें इन बातों का ध्यान....

अक्सर जब आप का बच्चा छोटा होता है तो आप सफर करने से डरती हैं। कई बार ऐसा होता होगा कि अपने बच्चे के परेशान करने के डर से आप घूमने जाने की अपनी योजना टाल देती होंगी। यदि ऐसा है, तो कब तक आप सफर करने को नज़रअंदाज़ करती रहेंगी और घर की चार दीवारी मे घुटती

बच्चे की केयर करते हुए भी सफर किया जा सकता है। हां, पर जरूरत है कुछ बातों का ध्यान रखने की खासतौर पर तब जब सफर रेलगाड़ी से किया जाना हो।

- जब भी आप ट्रेन से सफर करने का प्लान बनाएं तो कोशिश करें कि सफर दिन का हो। इससे आपका बच्चा ज्यादा सहज महसूस करेगा। बच्चे को बीच-बीच में टहलाती रहें।
- अगर आप किसी गर्म जलवायु वाली जगह जा रही हैं तो कोशिश करें कि बच्चे के कपड़े मुलायम और हल्के हों।
- गर्मी और पसीने से बच्चों को दूर रखने के लिए दिन में कम से कम तीन बार उसके कपड़े बदलें। गोल घेरे की टोपी लगाएं, जिससे बच्चे का सिर और चेहरा धूप से बच पाए।

- अगर आप किसी हिल स्टेशन पर जा रही हैं तो बच्चों के कपड़े ज्यादा ले जाने होंगे. बड़ों के मुकाबले बच्चों को ज्यादा सर्दी लगती है। वैसे भी सर्दियों में कपड़े जल्दी नहीं सूखते, इसलिए बच्चों के कपड़े में कोई कोताही न बरतें। अलग से पेपर और पैकेट रखें, जिसमें आप गंदे कपड़ें को इकट्ठा कर सकें।
- वैसे तो एक मां से ज्यादा बच्चों की परेशानियों को और कोई नहीं समझ सकता, लेकिन सफर के दौरान बच्चे के डॉक्टर का नंबर जरूर साथ रखें।
- मौसम बदलने से या जगह बदलने से अकसर बच्चों को सर्दी हो जाती है। खांसी, सर्दी, दस्त की दवाएं साथ ले जाना ना भूलें।
- रैश क्रीम जेल ले जाएं। मौसम बदलने से बच्चे को एलर्जी होने का डर रहता है। कमरे से बाहर निकलने से पहले बच्चे के चेहरे और हाथ पर हल्का-सा सन्स्क्रीन जरूर लगाएं।
- कार से सफर के दौरान बच्चे को पीछे की सीट पर बैठाएं।
- बाहर का नजारा देखने का मन तो करेगा ही आपका। लेकिन कार की खिड़कियां खोलने से पहले एक बार देख लें कि कहीं आपके बच्चे की आंखों में चुभने वाली धूप या हवा तो नहीं आ रही।
- अगर आप प्लेन से सफर कर रही हैं तो हवा का अचानक प्रेशर बदल जाने की वजह से प्लेन के टेक ऑफ या लैंडिग के समय बच्चे के कान में दर्द उठ सकता है।

पहली बार मां-बाप बनना सबसे सुखद भरा एहसास होता है। घर में नए शिशु के आने पर मां-बाप उसके ज़रूरत की सारी चीजें जैसे वॉकर, फीडिंग बोतल, काजल और डाइपर आदि, सब एक साथ ले लेते हैं। हम आपको बताएंगे कि इन चीजों को क ?यों नहीं लेना चाहिए और अगर ले भी लें तो इनका सीमित उपयोग करना चाहिए।

न दें अपने नन्हें-मुन्ने को वॉकर नहीं तो...

टीथर और चुसनी -5-6 माह की उम्र में बच्चा हर चीज मुंह में डाल लेना चाहता है। ऐसे में चुसनी व टीथर की ठीक से सफाई न हो पाने से बच्चों के इंफेक्शन का डर रहता है। इनकी जगह पर आप बच्चे को अच्छी क्वालिटी व गहरे रंग के टीथिंग रिंग या प्लास्टिक की चूडियां दे सकते हैं। लेकिन देने से पहले हर बार इन्हें अच्छे से धोएं।

ग्राइप वॉटर -ग्राइप वॉटर के नुकसान का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है इसलिए इन्हें न देना ही बेहतर है।

वॉकर-छोटे बच्चों को वॉकर देते समय ध्यान रखना पड़ता है क्योकि इनका संतुलन बिगड़कर बच्चे के गिरने का डर रहता है साथ ही उनहे प्राकृतिक रूप से चलने में बाधा आती है जिससे कई बार वह देर से चलना सीखता है।

सॉफ्ट टॉय-सॉफ्ट टॉय अच्छी तरह से साफ नहीं होते इसलिए इनसे बच्चे को एलर्जी या संक्रमण हो सकता है। कई बार इससे सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम भी हो सकता है। इसकी जगह बच्चे को ऐसे खिलौने दें जो वॉशेबल हों।

फीडिंग बोतल -बोतल की ठीक से सफाई न हो पाने के कारण बच्चे को पेट में दर्द या संक्रमण हो सकता है। इनसे बचना ही बेहतर है। अगर फिर भी देना पड़े तो हर बार फीड कराने से पहले इसे 10 मिनट पानी में उबालकर प्रयोग करें।

फैंसी कपड़े-बच्चों को हाई नेक व फैंसी कपड़े न डालें। इनसे बच्चों को चुभन और बेचैनी हो सकती है। छोटे कपड़े भी न पहनाएं इससे उनको घुटन महसूस होती है। कॉटन के झबले बच्चे के लिए सबसे बेहतर हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स-इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं से बच्चों को नुकसान पहुंच सकता है। इनकी जगह उन्हें कहानी सुनाएं या चित्रों के माध्यम से कुछ सिखाएं व बच्चों के साथ समय बिताएं।

डायपर-बच्चों के लिए आप डायपर की जगह कॉटन के कपड़े का प्रयोग बेहतर कर सकते है। यदि डायपर पहना भी रहे हैं तो हैवी होते ही बदल दें। पहनाते समय स्किन पर थोड़ा तेल लगाने से त्वचा को सीधे नुकसान नहीं पहुंचता।

वर्किंग महला यूं संभालें घर और ऑफिस

दिनों-दिन बढ़ती महंगाई और मॉडर्नाइजेशन के इस जमाने में महिला और पुरुष दोनों ही वर्किंग हो रहे हैं। घर को चलाने के लिए दोनों का काम करना बहुत ही जरूरी हो गया है लेकिन इसी बीच प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में ताल-मेल बिठाना बहुत ही मुश्किल हो जाता है, खासकर महिलाओं के लिए। ऑफिस का काम, घर-परिवार, बच्चों की देखभाल करने में कई बार वह इतना उलझ जाती हैं कि उनके पास अपने लिए समय ही नहीं बचता लेकिन कामकाजी महिला को ऑफिस और घर की जिम्मेदारी के बीच तालमेल बिठाने आना चाहिए ताकि वह अच्छी गृहिणी, मां और सहकर्मी बन सकें।

सबसे पहले इस बात को स्पष्ट करें कि आपने अपनी लाइफ में प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर किसे रखना है। अगर बच्चा इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं तो इस बात को ध्यान में रखें कि बच्चे की केयर को लेकर आपको किन चीजों का ध्यान रखना हैं और आप किस सीमा तक उसके साथ समझौता कर सकती हैं।

सोच-समझ कर नौकरी का चुनाव करें

अगर बच्चा और नौकरी दोनों को ही देखना आपके लिए बहुत जरूरी है तो आप ऐसी जॉब ढूंढे जहां पर ऑफिस आने जाने का टाइम लचीला हो ताकि आपको एक ही समय पर आने जाने की बंधिश न हो। इस तरह आप मां और सहकर्मी के तौर पर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा पाएंगी।

ऑफिस का काम वहीं छोड़ें

ऑफिस के काम ऑफिस में ही छोड़ कर आएं और न हीं घर की प्रॉबल्म ऑफिस में शेयर करें। इससे आपकी पर्सनैलिटी पर अच्छा इंप्रैशन नहीं पड़ता। घर पर अपने बच्चे और पार्टनर को पूरा टाइम दें।

पहले से ही प्लानिंग करें

वर्किंग वूमेन को प्लानिंग के साथ ही हर काम करना आना चाहिए। प्लानिंग के अनुसार ही काम करें ताकि आपका समय बर्बाद न हो और इस वजह से आप पर किसी तरह का कोई दबाव न बनें। अगर आप फैमिली के साथ बाहर घूमने का प्लान बना रहे हैं। तो उसी हिसाब से ऑफिस वर्क को एडजस्ट कर लें ताकि बाद में कोई परेशानी न उठानी पड़े।

दलित एवं महिलाओं पर अत्याचार के विरोध में भाजपा का धरना प्रदर्शन

राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

प्रदेश में लोकतांत्रिक कांग्रेस सरकार का कोई अस्तित्व नहीं बचा है ना ही अपराधियों में कोई भय है : सैनी

सफल राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने आज प्रदेशाध्यक्ष मदनलाल सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे महिलाओं एवं अनुसूचित जाति वर्ग एवं जनजाति वर्ग पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में हजारों कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रदेश मुख्यालय से सिविल लाइन फाटक तक गहलोत सरकार के खिलाफ नारों के साथ रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस बैरिकेट होने के कारण भाजपा नेता व कार्यकर्ता सिविल लाइंस की तरफ नहीं जा सके। ऐसे में उन्होंने वहीं बैठकर धरना प्रदर्शन दिया। फिर प्रदेशाध्यक्ष मदनलाल सैनी के साथ प्रतिनिधि मंडल ने राजभवन में जाकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

विरोध प्रदर्शन में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी, विधायक कालीचरण सराफ, विधायक नरपत सिंह राजवी, विधायक रामलाल शर्मा, विधायक अशोक लाहोटी, पूर्व मंत्री रामकिशोर मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कोठारी, महिला आयोग पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता मुकेश पारीक, जितेन्द्र श्रीमाली, पंकज मीणा, महिला मोर्चा अध्यक्ष कविता मलिक, प्रदेश महामंत्री मंजू शर्मा शामिल थी।

इसके अलावा पूर्व विधायक कैलाश वर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी विमल कटियार, प्रदेश चुनाव सम्पर्क प्रमुख नाहर सिंह माहेश्वरी, जिलाध्यक्ष जयपुर देहात दक्षिण रामानंद गुर्जर, पूर्व विधायक कन्हैया लाल मीणा, पूर्व जयपुर शहर अध्यक्ष संजय जैन एवं शैलेन्द्र भार्गव, भाजयुमो अध्यक्ष अशोक सैनी, उप-महापौर मनोज भारद्वाज, पूर्व महापौर शील धाभाई एवं मीडिया संपर्क विभाग प्रमुख आनंद शर्मा मौजूद रहे।

प्रदेशाध्यक्ष मदनलाल सैनी ने बताया कि प्रदेश में कानून एवं प्रशासन व्यवस्था चैपट हो चुकी है व अपराधी बिना किसी भय के जघन्य अपराधो को अंजाम दे रहे है। प्रदेश में दलितों व महिलाओं विशेषकर दलित महिलाओं के विरूद्ध बलात्कार की घटना आम हो गई है। 26 अप्रैल को अलवर जिले के थानागाजी क्षेत्र में बदमाशों ने बेखौफ होकर शर्मनाक घटना को अंजाम दिया।

कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी फायदे के लिए प्रशासन के साथ मिलकर घटनाओं को दबाने का कुत्सित प्रयास किया है। सैनी ने कहा कि घटनाओं के अतिरिक्त कांग्रेस की वर्तमान शासन के दौरान महिलाओं एवं दलित महिलाओं तथा अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग पर हुए अत्याचारों की एक लम्बी सूची है। इन सभी तथ्यों से स्पष्ट है कि प्रदेश में लोकतांत्रिक कांग्रेस सरकार का कोई अस्तित्व नहीं बचा है ना ही प्रशासन का कोई भय अपराधियों में शेष है।

जयपुर समेत पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश की चेतावनी

30 से 40 की रफ्तार से चल सकती हैं हवा

सफल राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में अगले तीन दिन यानी बुधवार तक मौसम बिगड़ने की चेतावनी है। पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में कई शहरों में धूल भरी आंधी-बादल गरजने के साथ बरसात की चेतावनी है। प्रदेश में भीषण गर्मी के दौर के बीच मौसम का पलटी खाना जारी है। बीती रात तापमान में उतार-चढ़ाव रहा। हालांकि अधिकतर स्थानों पर चार डिग्री तक की गिरावट आई है।

इन शहरों में बदलेगा मौसम : मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान के अजमेर, अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक तथा पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालौर, जोधपुर, नागौर, पाली व श्रीगंगानगर में बवंडर-बादल गरजने तथा हल्की बरसात की चेतावनी जारी की है। यहां मौसम का यह मिजाज अगले बुधवार तक जारी रहेगा। इन इलाकों में 50 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में यह परिवर्तन आया है।

आखा तीज

(सफल राजस्थान)। आखा तीज पर शिव शक्ति पैराडाइज की ओर से शरबत पिलाते हुए शिव शक्ति पैराडाइज सोसायटी के लोग।

सीएम के निर्देश का इंजीनियरों पर नहीं पड़ा असर, नाराज लोगों ने पंप हाउस पर ताला लगाया

सफल राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले ही जलदाय विभाग के इंजीनियरों को जनता की पेयजल संबंधी शिकायतों का संवेदनशीलता से समाधान करने की हिदायत दी थी, लेकिन इसका असर दूसरे ही दिन कम हो गया।

शहर के ब्रह्मपुरी, कागदीवाड़ा, पर्वतपुरी, राजीवपुरी, तमिल कॉलोनी व जलमहल के आसपास की कॉलोनियों में पेयजल किल्लत से जूझ रही महिलाओं ने अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति

के पदाधिकारियों के साथ विभाग के पंप हाउस पर विरोध प्रदर्शन किया।

महिलाओं ने एडिशनल चीफ इंजीनियर देवराज सोलंकी व अधीक्षण अभियंता आरसी मीना को बुलाने की मांग करते हुए पंप हाउस पर ताला लगा दिया। महिलाओं के आक्रोश को देखते हुए एईएन महेश गुप्ता व जेईएन कुशाल शर्मा सहित कोई भी इंजीनियर रविवार बताकर मौके पर नहीं पहुंचा। आला अफसरों ने दूसरी जगह की जेईएन सुप्रिया को मौके पर भेज दिया। राष्ट्रीय हिंदू महासंघ से जुड़े लोगों ने पेयजल सप्लाई में सुधार की मांग की है। इस बारे में एक्सईएन निशा शर्मा का कहना है कि इलाके में रूटीन पेयजल सप्लाई की जा रही है और नए ट्यूबवेल जोड़ने का काम भी चल रहा है।

मीडिया के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर...
सफल राजस्थान
राजस्थान के सभी जिलों में
'सफल राजस्थान'
समाचार पत्र में कार्य करने के लिये
युवक/युवतियों की आवश्यकता है।
safalraj2012@gmail.com
जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेंट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर-पिन. 302039
मो. 8829966661, 9214466661

योग से मन, आयुर्वेद से तन और यज्ञ से वातावरण की शुद्धि होती है : शास्त्री

सफल राजस्थान

झुंझुनूं। पतंजलि योग समिति एव आर्य समाज द्वारा की ओर से इंदिरा नगर में सीनियर सिटीजन और आर्य समाज के वरिष्ठ साथी सीए अर्जुन लाल केडिया के यहां सामूहिक यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने आहुतियां दीं। पतंजलि योग समिति झुंझुनूं के तहसील प्रभारी श्रवण कुमार सामोता ने बताया इस दौरान केंद्रीय विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल डीवी शास्त्री के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ हुआ। हवन वेदी पर मुख्य यजमान सीए पवन कुमार अपनी धर्म पत्नी उषा केडिया के साथ बैठे। आर्य समाज के प्रधान डीवी शास्त्री ने कहा कि योग, आयुर्वेद एव यज्ञ हमारी वैदिक संस्कृति एव प्राचीन सभ्यता एव गौरवशाली परंपरा है। हमें इसे अपने जीवन मे आत्म सात करना चाहिए। योग से मन, आयुर्वेद से तन और यज्ञ से वातावरण की शुद्धि होती है। बच्चों में अच्छे संस्कार आते हैं।

इस अवसर पर सीए नितिन अग्रवाल, रजनीश मित्तल, आर्य समाज के मंत्री सुधाकर शर्मा, घासी राम समाज सेवा समिति के सचिव हरीश चाहर, आर्य समाज के प्रधान मदन लाल सैनी, आर्य समाज के जगरूप सिंह, पतंजलि योग समिति के सह प्रान्त प्रभारी पवन कुमार सैनी, जमन सैनी, हेतराम राजोरिया, राम निवास सोनी, गणेश चेतीवाल, रवि शर्मा, डॉ. संजय कटेवा, बंटी पंसारी, अनिल भोड़कीवाला, मनोज सैनी आदि ने आहुतियां दी।

अजमेरी गेट का यादगार तिराहा बना पिंक चौराहा, अब महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मी संभालेंगी जिम्मा

प्रायोगिक तौर पर पहली बार इस चौराहे से शुरुआत की गई, पुलिस कमिश्नर ने किया उद्घाटन

सफल राजस्थान

जयपुर। मदर्स डे के अवसर पर जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने एक अनूठी पहल करते हुए शहर में अजमेरीगेट स्थित यादगार चौराहा को पिंक चौराहा बनाया गया है। यह एक ऐसा पहला ट्रेफिक प्वाइंट होगा। जहां यातायात की सभी व्यवस्थाएं महिला ट्रेफिक पुलिसकर्मी संभालेंगी। इसके अलावा इसी चौराहे पर राहगीर महिलाओं के लिए एक विशेष कियोस्क भी लगाया गया है। जहां उनके लिए ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन, सेनिटरी नेपकिन, मिल्क फीडिंग जैसी बेसिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

जयपुर पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने बताया कि डीसीपी ट्रेफिक राहुल प्रकाश

के निर्देशन में यातायात पुलिस की यह एक अनूठी पहल है। इसका उद्देश्य जागरूकता फैलाना और यातायात की व्यवस्था बनाए रखना है, क्योंकि अजमेरी गेट और यादगार के सामने से ज्यादा संख्या में ट्रैफिक गुजरता है। जिसमें काफी संख्या में महिलाएं होती हैं।

यदि कोई महिला रुककर बात करना चाहे या मदद लेना चाहे तो महिला पुलिस कांस्टेबल उनकी मदद करेगी। ऐसे में मदर्स डे के अवसर पर रविवार को प्रायोगिक तौर पर पहली बार इस चौराहे से शुरुआत की गई है। जिसे आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। ट्रैफिक में 50 प्रतिशत महिलाओं का योगदान रहता है उनके प्रति संवेदनशीलता व जागरूकता लोगों तक पहुंचाई जायेगी। डीसीपी ट्रेफिक राहुल प्रकाश ने बताया कि इस कियोस्क शिशु दुग्धपान सुविधा सैनिटरी नेपकिन की उपलब्धता सभी महिला योजनाओं की जानकारी, सम्पूर्ण महिला सहायता, सभी यातायात नियमों की जानकारी, महिलाओं की रक्षा सुरक्षा व सम्मान की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर महिला पुलिस कर्मियों की एक सेमिनार भी आयोजित की गई।

फिल्म संगीत संध्या में होगा हिन्दी सिनेमा का सुरीला सफर

सफल राजस्थान

जयपुर। सप्तक-द म्यूज़िकल ऑक्टेव ग्रुप, जयपुर की तरफ से 19 मई शाम को रवीन्द्र मंच के मुख्य सभागार में कुछ मेरे दिल ने कहा शीर्षक से हिन्दी फिल्म संगीत संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत की सुप्रसिद्ध ध्रुवपद गायिका एवं राजस्थान विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स विभाग की डीन डॉ. मधु भट्ट तैलंग होंगी एवं गेस्ट ऑफ़ ऑनर के रूप में विख्यात कलाकार और कलाविद आर.बी गौतम, सम्माननीय अतिथि पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी, जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष रवि शंकर शर्मा होंगे।

इस फिल्म संगीत संध्या में राजस्थान एवं अन्य राज्यों के गायक व गायिकाएं हिन्दी फिल्मजगत के 60वें दशक से लेकर नये जमाने के नगमे सुनाकर हिन्दी सिनेमा के वर्तमान दौर तक के सफर को तय करेंगे। भारतीय हिन्दी सिनेमा के साठवे दशक से लेकर आजतक के दौर के बेहतरीन नगमों को सुरों के गुलदस्ते में सजाया जाएगा।

कक्षा 12वीं व 10वीं में विद्याग्राम ने मारी बाजी

सफल राजस्थान

जयपुर। सीबीएसई बोर्ड द्वारा दिनांक 02-05-19 को घोषित कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम वाणिज्य वर्ग में शत प्रतिशत तथा विज्ञान वर्ग में 80 प्रतिशत रहा है। विज्ञान वर्ग में कार्तिक पेरीवाल द्वारा 95 प्रतिषत, साहिल शर्मा द्वारा 92 प्रतिशत तथा प्रशंसा अग्रवाल द्वारा 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किये गये। वाणिज्य वर्ग में तनिष्क गोयल ने 92 प्रतिशत प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया है।

6 मई को घोषित कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम हर वर्ष की भांति लगातार इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपने कौशल का लोहा मनवाते हुए शत प्रतिशत सफलता प्राप्त की। इसमें सात विद्यार्थियों द्वारा, हिमांषु दत्त 97.00, खुषी गोयल 96.00, गुरूदत्त शर्मा 94.00, ओशो सिंघल 93.00, हर्ष शर्मा 92.00, उत्कर्ष रावत 92.00 एवं अयुष खाण्डल 91.00 ने अंक प्राप्त कर पूरे चौमूं क्षेत्र के साथ विद्यालय का नाम रोषन किया। इसके अलावा अध्ययनरत कुल विद्यार्थियों में से 16 विद्यार्थियों द्वारा 80 प्रतिषत से ऊपर, 30 विद्यार्थियों द्वारा 70 प्रतिषत से ऊपर अंक लाकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोषन किया है। छात्र हिमांषु दत्त द्वारा सामाजिक विज्ञान विषय में 99 व हिन्दी विषय में 98, गुरूदत्त शर्मा, हर्ष शर्मा व अयुष खाण्डल तीनों विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक विज्ञान में 98-98 अंक प्राप्त किये।

इस उपलक्ष्य में संस्था चेयरमेन निहाल सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं षिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि पर शुभकामनायें दी और अच्छा परीक्षा परिणाम रहने पर स्कूल प्रांगण में मिठाई बांटी इस उपलब्धि पर संस्था चैयरमेन ने कहा कि भविष्य में भी अधिक मेहनत के साथ इससे ज्यादा सफलता मिले ऐसा प्रयास हर साल रहेगा। इसके लिये प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी विद्यार्थियों के लिये फाउंडेशन कक्षायें प्रारम्भ की जा रही हैं। इस उपलक्ष्य में बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी शामिल थे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक विमला देवी के लिए पी.के. प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स, 31 पटेल नगर, 22 गोदाम, राम मंदिर जयपुर, जयपुर में मुद्रित एवं जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर -302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : विमला देवी, E-Mail : safalraj2012@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 8829966661, 9251166661, 9214466661